मीडिया की कालीकरतूतें व राष्ट्रद्रोह

लेखक : राजेश शर्मा

पेड न्यूज, अश्लीलता, हिन्दुत्व पर कुठाराघात, महँगाई, घोटाले, आतंकवादियों व भ्रष्टाचारी नेताओं का संरक्षण, भारत की आर्थिक लूट व उसे ईसाई राष्ट्र बनाने में मदद करके मीड़िया कैसे दे रही है भारत को धोखा ?

कौन चलाता है भारत का मीडिया ?

चैनल लोगो	चैनल का नाम	मीडिया संचालन
NDTV	एन डी टी वी	इसे स्पेन (यूरोप) स्थित गॉस्पेल्स ऑफ चैरिटी से आर्थिक सहायता प्राप्त होती है। यह भारत का एकमात्र चैनल है जो अधिकृत रूप से पाकिस्तान में दिखाया जाता है।
CNN IBN CNBC IBN7	सी एन एन, आई बी एन-७, सी एन बी सी	साउदर्न बैपिटिस्ट चर्च द्वारा १००% आर्थिक सहयोग प्राप्त। यह चर्च प्रतिवर्ष अपने चैनल के विस्तार के लिए ८०० मिलियन डॉलर खर्च करता है। भारत में इसके प्रमुख राजदीप सरदेसाई हैं।
आज तक, तेज, THE INDIA TODAY GROUP, HEADLINES TODAY	आज तक, इंडिया टुडे, तेज न्यूज, हेडलाइन टुडे	इस समूह के सभी चैनलों और पत्रिकाओं के मुख्य सम्पादक एम् जे अकबर हैं जो कांग्रेस विधायक भी रह चुके हैं।
STAR न्यूज़ STAR ग्रुप के सभी चैनल	स्टार टीवी ग्रुप	एक आस्ट्रेलियाई व्यक्ति इसका संचालन करता है, जिसे मेलबोर्न स्थित सेन्ट पीटर्स पोन्टीफिकल चर्च द्वारा आर्थिक सहायता प्राप्त होती है।
KAIRALI THE MALAYALAM CHANNEL	कैराली टीवी	कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया मार्क्सवादी द्वारा संचालित।
THE TIMES GROUP Hindustan Times	द टाइम्स ऑफ इण्डिया, मिड डे, नवभारत टाइम्स, स्टार डस्ट, फेमिना, विजय टाइम्स, विजय कर्नाटक, टाइम्स नाउ ,हिन्दुस्तान टाइम्स पत्र	बेनेट कोलमैन एंड कम्पनी लिमिटेड द्वारा संचालित ८०% आर्थिक सहायता वर्ल्ड क्रिश्चयन काउंसिल द्वारा, बची हुई २०% एक अंग्रेज तथा इतालवी राबर्टियो मिण्डो द्वारा दी जाती है जो श्रीमती सोनिया गांधी का करीबी रिश्तेदार है।
DECCAN Chronicle Matrimonials THE ASIAN AGE	एशियन एज, डेक्कन क्रोनिकल	साऊदी अरब की एक फर्म द्वारा सहायता प्राप्त।
THE NEW INDIAN EXPRESS GROUP	इंडियन एक्सप्रेस	इसमें एक्ट्स मिनिस्ट्रीज (चर्च का भाग) का काफी बड़ा अंश है।
ABN आंध्रज्योति	आंध्र ज्योति	हैदराबाद की एक मुस्लिम पार्टी एम.आई एम. ने इसे कांग्रेस के एक मंत्री के साथ कुछ साल पहले खरीद लिया।
The Statesman	द स्टेटस्मैन	कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित।
THE HINDU	द हिन्दू	यह समाचार पत्र १२५ वर्ष पूर्व आरम्भ हुआ जो कुछ दिन पहले स्विट्जरलैण्ड में बर्न की जोशुआ सोसायटी द्वारा अपने हाथ में ले लिया गया है। इसके सम्पादक एन.राम इनकी पत्नी ईसाई बन चुकी है।
മാതൃഭൂമി Since 1923	मातृभूमि	जिसे मुस्लिम लीग के द्वारा सहयोग प्राप्त।

मीडिया की कालीकरतूतें व राष्ट्रद्रोह

– मार्कण्डेय काटजू (भारतीय प्रेस परिषद के अध्यक्ष व सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश)

मीडिया देश और समाज की मुख्य समस्याओं से जनता का ध्यान हटाकर निराधार मुद्दों पर ही ध्यान केन्द्रित करता है। मीडिया पक्षपातपूर्ण है, जो पेड न्यूज रूपी अफीम खिलाकर जनता को बेहोशी दे रहा है। जहाँ देश एक ओर अनेकों ज्वलन्त सामाजिक, राजनैतिक समस्याओं के ज्वालामुखी पर बैठा है, वहीं यह जनता और देश के भविष्य को भाग्य के सहारे छोड़कर, झूठ, पोप म्यूजिक, फैशन शो, क्रिकेट तथा फिल्मों की तड़क-भड़क में मस्त है। मेरी राय में मीडिया जनाविरोधी है, यह जान बूझकर अपराधिक वृत्तियों को बढ़ावा देनेवाला, अन्धविश्वास बढ़ानेवाला तथा प्राय: लोगों को बाँटनेवाला है। देशवासी इसकी बे-बुनियाद, निराधार तथा स्वार्थी खबरों से गुमराह ना हों।

* * *

काली करतूतें	पूर्ती के उपाय
* सरकारी गलत नीतियों का सर्मथन कर इससे जनता का ध्यान हटाना।	* वेफजूल मुद्दों में जनता को उलझाये रखना व पेड न्यूज चलाना।
* किसी को दोषी साबित होने से पूर्व अपराधी सिद्ध करना।	* मिडिया ट्रायल चलाना ।
* क्रिस्चनमिशनरियों का हथकण्डे बनना।	* संत एवं संस्कृति के खिलाफ पेड न्यूज चलाना ।

नोट : इस पुस्तक में मीडिया शब्द का तात्पर्य इलेक्ट्रानिक व प्रिन्ट मीडिया से लिया गया है।

बढ़ती मीडिया, घटता जनहित

भारत में १९८८ में प्रथम निजी चैनल 'एनडी टीवी' की शुरुआत हुई। इस समय १४०० चैनल पंजीकृत हैं लेकिन ८१६ चैनल दिखाये जाते हैं, जिनमें से ३९८ खबरिया चैनल हैं। लगभग ५६ करोड़ लोग भारत में टेलीविजन देखते हैं। ५७ वर्ष पुराना टेलीविजन का इतिहास है । भारत में ८२ हजार २३७ समाचार-पत्र पंजीकृत हैं। इनकी पाठक संख्या ३२ करोड़ १२ लाख ४ हजार ८४१ है। भारत में लगभग १० करोड़ लोग रोज समाचार-पत्र पढ़ते हैं। मुद्रित मशीनों का इतिहास २३० वर्ष पुराना है। लगभग ८० से ८५ प्रतिशत पाठक अपने अखबार के सम्पादक को नहीं जानते हैं।

भारत में सभी प्रचलित भाषाओं के मीडिया का विस्तार हुआ है। जितने खबरिया चैनल भारत में हैं, उतने दुनिया के किसी और दूसरे देश में नहीं हैं। अमेरिका के प्रख्यात लेखक ऑथर मिलर ने कहा था कि 'सही मायने में समाचार-पत्र कहलाने का अधिकार उसे ही है, जिसमें देश खुद से बात करता हुआ दिखे।' बहर-हाल भारत में ऐसा कोई भी मुख्य धारा का अखबार नहीं है, जिसमें देश खुद से बात करता हुआ दिखे।

राष्ट्रद्रोही, अंधी मीडिया

आज भारत में यह विदेशी मीडिया असत्य की महिमा गाकर देश की विचारधारा को बदलने और बनाने में लगा हुआ है। यह इस देश की अखंडता, सभ्यता और संस्कृति पर बड़ा प्रहार है। देशहित के मुद्दों का गला घोटा जा रहा है और असंवेदनशील मुद्दों के लिए संवेदनाएँ जागृत की जा रही हैं। देश का ध्यान बँटाने के लिए जबरन बनावटी मुद्दे तैयार किये जा रहे हैं ।

मीडिया द्वारा देशभक्तों को खलनायक और खलनायकों को नायक

का चोगा पहनाकर पेश किया जा रहा है। सेकुलरता के नाम पर मीडिया देश की धार्मिक आस्थाओं और संस्कारों को मिटाकर रख देना चाहता है।

प्रसिद्ध विद्वान एन.एस.राजाराम ने अपनी खोज के आधार पर स्पष्ट किया है कि भारत का तथाकथित मीडिया बड़े पैमाने पर विदेशी शक्तियों द्वारा संचालित है। फ्रांसिसी पत्रकार फ्रैंकोईस ने भारत में हिन्दुत्व के ऊपर हो रहे अत्याचारों के बारे में अध्ययन किया और इस कार्य के लिए मीडिया को जिम्मेवार ठहराया।

आज का मीडिया = फैशन, सेक्स व विज्ञापन

आज सुबह से लेकर शाम तक मीडिया के लेखों और कार्यक्रमों में पाश्चात्य कचरा फैशन, सेक्स, ग्लैमर आदि को प्रमुखता दी जा रही है। पूनम पाण्डे, शर्लिन चोपरा, सन्नी लिओन, हनी सिंह जैसे व्यभिचार फैलाने वाले लोग मीडिया के चहेते है।

टीवी न्यूज चैनलों से धीरे-धीरे खबरें गायब होती जा रही हैं। बुनियादी सवालों-रोजगार, समाज-सेवा, देशभक्ति, कृषि, ग्रामीण जीवन से संबंधित कार्यक्रमों से मीडिया का दूर-दूर का नाता है, मीडिया इस पर बहस नहीं करती बल्कि फिल्म मुन्नी की बदनामी और शीला की जवानी को लेकर बहुत संवेदनशील है। यह देश के साथ मीडिया का बहुत बड़ा धोखा व षड्यंत्र है।

आज चैनल ही तैयार करते हैं कि कल देश के लोगों को क्या खबर बतानी है। जो सबसे सर्वोच्च होने का दावा करते हैं, उसमें तो विज्ञापन-ही-विज्ञापन होते हैं। खबरों को वह फिलर की तरह इस्तेमाल करते हैं। चैनल

मामूली खबर को भी ऐसे दिखाते हैं, जैसे कि कोई बहुत बड़ा तूफान आ गया हो। खबरों को लेकर सुर्खियों में रहनेवाली मीडिया आज खुद खबरों में है।

भारत में टेलीविजन प्रसारण की शुरुआत १५ सितंबर, १९५९ को दूरदर्शन के जरिये हुई थी। एक सरकारी चैनल से शुरु हुआ टेलीविजन, आज एक बहुत बड़े उद्योग की शक्ल अख्तियार कर चुका है। ऐसा अनुमान है कि देश के २५ करोड़ घरों में से तकरीबन बारह करोड़ घरों में टेलीविजन है।

'पेड न्यूज' : मीडिया का दोगलापन

पेड न्यूज मतलब पैसे लेकर किसी व्यक्ति या संस्था के हित/प्रशंसा में समाचार बताना। पेड न्यूज (भुगतानशुदा खबर) वर्तमान बहस का सबसे चर्चित विषय है। भुगतानशुदा खबरों के मामले में समूची प्रक्रिया गुप्त होती है। यह देश के विभिन्न हिस्सों में स्थित विभिन्न भाषाओं के छोटे-बड़े अखबारों तथा टेलीविजन चैनलों में फैल गया है। यह गैरकानूनी प्रक्रिया संगठित बन गये हैं। मीडिया कंपनियों के पत्रकारों, प्रबंधकों और मालिकों सहित विज्ञापन एजेंसियाँ और जनसंपर्क कंपनियाँ भी इसमें शामिल होती हैं।

मार्केटिंग अधिकारी राजनैतिक हस्तियों तक अपनी पहुँच बनाने के लिए पत्रकारों का उपयोग करते हैं। इन राजनीतिक नेताओं के बीच कथित 'रेट कार्ड' या पैकेज बाँटे जाते हैं, जिनमें प्राय: विशेष उम्मीदवारों की प्रशंसात्मक और उनके राजनीतिक विरोधियों की आलोचनात्मक 'खबरों' के प्रकाशन की 'दरें' लिखी होती हैं। जो उम्मीदवार मीडिया संगठनों की इस रंगदारी के आगे नहीं झुकते, उनकी खबरें छापने से इन्कार कर दिया जाता है।

भारत में 'पेड न्यूज' (भुगतानशुदा खबर) का चलन १९६७ के चुनाव से प्रारम्भ हुआ है। राष्ट्रीय स्तर के समाचार-पत्रों में यह ३० प्रतिशत, राज्य स्तर पर ५० प्रतिशत और स्थानीय अखबारों में ७५ से ९० प्रतिशत

तक पेड न्यूज होते हैं। भारत में २८ भाषाओं में अखबार प्रकाशित होते हैं। आज मीडिया की प्राथमिकता समाज-सेवा की बजाय धनोपार्जन बन गया है। कई मीडिया घरानों ने मीडिया की आड़ में कुछ और धंधों में हाथ आजमाना शुरु कर दिया है।

मीडिया की काली करतूतों से लोग तंग आ चुके हैं। इनकी काली करतूतें रोकने के लिए विभिन्न संगठनों ने भिन्न-भिन्न उपाय अपनाये। मुंबई में शिवसेना ने मीडिया पर नियंत्रण बनाये रखने के लिए मीडियाकर्मियों पर हमले हुए।

मीडिया की हिन्दुत्वविरोधी काली करतूतें

☞ हिन्दू संस्कृति पर दोषारोपण, अमरनाथ यात्रा, मंदिर व तीर्थो को ढोंग करार देना, 'राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ' को सिम्मी की कतार में खड़ा करना और भगवा में आतंकवाद ढूँढ़ना।

☞ मीडिया आये दिन मनगढ़ंत बेबुनियाद खबरें प्रसारित करती है। शंकराचार्य श्री जयेंद्र सरस्वती पर हत्या का आरोप, बाबा रामदेव पर दवाइयों में हड्डियों का चूर्ण मिलाने का गलत आरोप, कृपालुजी महाराज पर बलात्कार का झूठा आरोप, राष्ट्रवादी हिन्दू संगठनों पर भगवा आतंकवाद का झूठा आरोप लगाया जाता है। ऐसी मीडिया सिर्फ हिन्दू के अंदर ही बलात्कारी, पाखंडी, चोर ढूँढ़ेगी जिससे पोप, पादरियों द्वारा किये जा रहे बलात्कार, व्यभिचार तथा भ्रष्टाचार को दबाया जा सके।

☞ केरल में सत्ताधारी पार्टी के जिहादी युवक पाकिस्तानी पर्चे बाँटे तो

गलत बात नहीं है ? लेकिन सुब्रमण्यम स्वामी राष्ट्रवादी, हिन्दुत्ववादी बयान दे तो गलत बात है। व्यवस्था-परिवर्तन करने निकले स्वामी रामदेव में मीडिया को एक चोर व पाखंडी नजर आता है।

☞ गोवा में मंदिर की मूर्तियों पर ईसाई पेशाब करे तो 'ईसाई की ताकत बताना' और ईसाई मूर्तियाँ तोड़े तो कोई बात नहीं है।

पत्रकारों के सेक्स रैकेट

☞ लखनऊ से प्रकाशित अखबार के पत्रकार राहुल शर्मा और उसकी पत्नी द्वारा चलाये जा रहे कॉलगर्ल सेक्स रैकेट से कई लाख रुपये और अन्य कीमती सामान बरामद किया। इस सेक्स रैकेट के तहत ग्राहक के बुलावे पर कॉलगर्ल उसके घर पहुँचती, पहले उसे अपना जिस्म सौंपती और फिर उसे नशीला पदार्थ देकर नगदी और जेवरात लेकर चंपत हो जाती थी।

☞ मध्यप्रदेश बालाघाट में पुलिस ने सैक्स रैकेट का संचालन कर रहे एक स्थानीय पत्रकार शशांक मेहुले को गिरफ्तार किया। यहाँ पर ये लोग अपने ग्राहकों को ब्लैकमेल करने के लिए विडियो भी बना लेते थे।

☞ बुलंदशहर के सेक्स रैकेट में पाँच पत्रकार कॉलगर्ल संचालिकाओं की सेटिंग पुलिस से कराते थे और इसके लिए बीस हजार रुपये की एकमुश्त रकम हर महीने लेते थे। इनमें तीन मुसलमान पत्रकार व सम्पादक शामिल हैं।

☞ पीलीभीत में 'अमर उजाला' के पत्रकार राजेश शर्मा द्वारा चलाये जा रहे सेक्स रैकेट को पुलिस ने पकड़ा तथा पत्रकार को जेल भेज दिया।

☞ मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) के इस सेक्स रैकेट की मालकिन पिंकी की डायरी में १४ पत्रकारों के नाम दर्ज हैं, जिन्हें वह किसको, कितने रुपये हर महीने देती थी ऐसा उसकी डायरी से पता चला है।

*

मीडिया का चारित्रिक बदलाव

मीडिया के चरित्र में सबसे बड़ा बदलाव तो यह हुआ कि देखते-देखते मीडिया से जन सरोकार गायब हो गये और खबर भी एक उत्पाद बन गयी। जाहिर है कि जब खबर एक उत्पाद बन जाय और पाठक या दर्शक एक उपभोक्ता, तो ऐसी हालत में ज्यादा-से-ज्यादा मुनाफा कमाना ही मकसद बन जाता है। आज ज्यादा-से-ज्यादा पैसा कमाना मीडिया संस्थानों का मकसद बन गया है। मीडिया में हुए चारित्रिक बदलाव की वजह से काम करने की परिस्थितियाँ भी बदलीं हैं। पत्रकार भी सामान्य कर्मचारी की तरह हो गये और पत्रकारिता भी अन्य नौकरियों की तरह एक नौकरी जबकि आम लोगों के हक और हित के लिए लड़ाई लड़ने का गौरवशाली इतिहास भारतीय मीडिया के पास ही है।

हिन्दूविरोधी मीडिया गैंग

यह बात साबित हो चुकी है कि मीडिया का खास वर्ग हिन्दुत्व विरोधी है। इस वर्ग के लिए हिन्दू संगठनों के बारे में नकारात्मक प्रचार करना, हिन्दू धर्म, हिन्दू देवी-देवताओं, हिन्दू रीति-रिवाजों तथा साधु-सन्तों की आलोचना करना एक धर्म के समान है। इसका कारण है, कम्युनिस्ट चर्चपरस्त-मुस्लिमपरस्त तथाकथित सेकुलरिजमपरस्त लोगों की आपसी रिश्तेदारी, सत्ता और मीडिया पर पकड़ और उनके द्वारा एक गैंग बना लिया जाना। यदि कोई समूह या व्यक्ति इस गैंग के सदस्य बन जायें या प्रियपात्र बन जायें तो उनके और उनकी बिरादरी के खिलाफ कोई खबर आसानी से नहीं छपती। जबकि हिन्दुत्व पर ये सब लोग मिल-जुलकर हमला बोलते हैं।

मीडिया समूह के आपसी रिश्तों का जाल

☞ NDTV के मालिक प्रणव राय की भांजी है सुजाना अरुंधती राय जो 'जस्टिस फॉर अफजल गुरु' के लिए काम करती है। इस संस्था के सदस्य हैं प्रशांत भूषण, संदीप पांडे, शबनम हाशमी, हर्ष मंदार, अरुणा रॉय आदि।

☞ सोनिया गांधी द्वारा गठित NAC (साम्प्रदायिक लक्षित हिंसा अधिनियम) के सदस्य हैं शबनम हाशमी, हर्ष मंदार। अरुणा रॉय, जिन्होंने हिन्दुओं के खिलाफ एक कानून बनाया है हिन्दू विरोधी साम्प्रदायिक हिंसा विधेयक।

☞ बरखा दत्त NDTV में काम करती है जिसने ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया है। बरखा दत्त की माँ है प्रभा दत्त जो 'हिन्दुस्तान टाइम्स' की मुख्य रिपोर्टर थीं। NDTV भारत का एकमात्र चैनल है जो अधिकृत रूप से पाकिस्तान में दिखाया जाता है।

☞ राजदीप सरदेसाई पहले NDTV में थे, अब ईसाई व मुस्लिम सपोर्टर चैनल CNN-IBN में है। जिनकी पत्नी सागरिका घोष; के पिता दूरदर्शन के महानिदेशक थे। सागरिका घोष की पहली चाची रूमा पॉल उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश व दूसरी अरुंधती घोष संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थाई प्रतिनिधि है।

☞ PIPFD (Pakistan-India Peoples' Forum for Peace and Democracy) के सदस्य दिलीप डिसूजा के पिता जोसेफ बेन डिसूजा महाराष्ट्र सरकार के पूर्व सचिव रह चुके हैं। PIPFD के दूसरे

सदस्य तीस्ता सीतलवाड के पति जावेद आनन्द कम्पनी सबरंग कम्यूनिकेशन और संस्था 'मुस्लिम फॉर सेकुलर डेमोक्रेसी' चलाते हैं जिसके प्रवक्त जावेद अख्तर की पत्नी शबाना आजमी है।

☞ ITV बीबीसी के लिए कार्यक्रमों का भी निर्माण करती है, जिसके मालिक करण थापर के पिता जनरल प्राणनाथ थापर (१९६२ का चीन युद्ध इन्हीं के नेतृत्व में हार गया) थे। करण थापर बेनजीर भुट्टो और जरदारी के बहुत अच्छे मित्र हैं। करण थापर के मामा की शादी नयनतारा सहगल से हुई है जो विजयलक्ष्मी पंडित की बेटी है। विजयलक्ष्मी पंडित, जवाहरलाल नेहरू की बहन है।

☞ कांग्रेस के पूर्व विधायक एम.जे. अकबर 'इंडिया टूडे' पत्रिका के मुख्य सम्पादक, डेक्कन क्रॉनिकल और एशियन एज के सम्पादक हैं, जिनकी पत्नी मल्लिका जोसेफ 'टाइम्स ऑफ इंडिया' में कार्यरत है।

☞ 'द हिन्दू' के मुख्य सम्पादक नरसिम्हन राम (एन.राम), जिनकी पहली पत्नी सूसन आयरलैण्ड की है जो भारत में ऑक्सफोर्ड पब्लिकेशन की इंचार्ज है।

☞ 'ऑल इंडिया कैथोलिक यूनियन लाइफटाइम अवार्ड' से सम्मानित किये जाने वाले के एम.रॉय 'द हिन्दू' के संवाददाता तथा 'मंगलम्' पब्लिकेशन के सम्पादक मंडल सदस्य हैं।

☞ खालिद अंसारी मिड-डे पब्लिकेशन व एम.सी. मीडिया लिमिटेड के अध्यक्ष हैं, जिनके लड़के अब्दुल हमीद कांग्रेसी नेता हैं। मिड-डे दिल्ली संस्करण के प्रभारी जॉन दयाल, एवेंजेलिस्ट ईसाई और हिन्दुओं के खास आलोचक हैं।

☞ 'ऑल इंडिया कैथोलिक यूनियन' के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा 'ऑल इंडिया क्रिश्चियन काउंसिल'(AICC) के सचिव जॉन दयाल हैं।

☞ AICC के अध्यक्ष डॉ जोसेफ डिसूजा ने 'दलित फ्रीडम नेटवर्क' की स्थापना की है, जिसकी सहयोगी संस्था 'ऑपरेशन मोबिलाइजेशन इंडिया' (OM India) है। जिसका लक्ष्य दुनिया के उन हिस्सों में चर्च को मजबूत करना है, जहाँ वे अब तक नहीं पहुँच सके हैं।

☞ OM India के उत्तर भारत के प्रभारी मोजेस परमार तथा दक्षिण भारत के प्रभारी कुमार स्वामी हैं जो कर्नाटक राज्य के मानवाधिकार आयोग के सदस्य भी हैं।

☞ OMCC, दलित फ्रीडम नेटवर्क (DFN) के साथ काम करती है। DFN के सलाहकार मण्डल में विलियम आर्मस्ट्रांग शामिल हैं, जो कोलोरेडो (अमेरिका) के पूर्व सीनेटर और वर्तमान में कोलोरेडो क्रिश्चियन यूनिवर्सिटी के प्रेसीडेण्ट हैं। यह यूनिवर्सिटी विश्वभर में ईसा के प्रचार हेतु मुख्य रणनीतिकारों में शुमार की जाती है।

अनिल कुमार

☞ वाय सेमुअल राजशेखर रेड्डी (आंध्रप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री) की बेटी शर्मिला की शादी एक धर्म परिवर्तित ईसाई अनिल कुमार से हुई है। अनिल कुमार ने 'अनिल वर्ल्ड एवेंजेलिज्म' नामक संस्था शुरु की और वे एक कट्टर ईसाई धर्म प्रचारक हैं। सेमुअल राजशेखर रेड्डी के पुत्र जगन रेड्डी कांग्रेस नेता हैं तथा जगति पब्लिकेशन प्रा. लि. के चेयरमैन हैं।

☞ सन टीवी चैनल समूह तथा तमिल दैनिक 'दिनाकरन' के मालिक हैं कलानिधि मारन। इनके भाई हैं दयानिधि मारन जो केन्द्र में संचार मंत्री थे। मुरासोली मारन(कलानिधि मारन के पिता) के चाचा एम.करुणानिधि

(तमिलनाडु के मुख्यमंत्री) के पुत्र एम के अझागिरी कैलांगार टीवी के मालिक हैं तथा पुत्री कनिमोझी केन्द्र में राज्यमंत्री है तथा 'द हिन्दू' अखबार में सह-सम्पादक भी है।

नीरा राडिया पत्रकारों की षड्यन्त्रकारी गेंग

सीबीआई की एंटी करप्शन शाखा ने टेलीकॉम घोटाले के सिलसिले में पत्रकार नीरा राडिया के खिलाफ २१ अक्टूबर २००९ को मामला दर्ज किया। छानबीन शुरू की, तब पाया कि नीरा राडिया अपनी चार कंपनियों के जरिये टेलीकॉम, एविएशन, पावर और इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े कॉरपोरेट सेक्टरों के फायदे के लिए बिचौलिये का काम करती है। नीरा राडिया अपने काम को पूरा कराने के लिए देश के नामचीन पत्रकारों को मोहरे के तौर पर उपयोग करती है तथा जिसकी भरपूर कीमत भी इन पत्रकारों को देती है।

बरखा और वीर सांघवी नीरा राडिया जैसी बिचौलिया के जरखरीद बन सियासी गलियारों में तोल-मोल का खेल रचते हैं। पत्रकारिता के पेशे की आड़ में काली कमाई कर रहे पत्रकारों ने पत्रकारिता के बूते बने अपने संपर्कों का उपयोग वे मंत्रिमंडलीय जोड़-तोड़ में करते हैं। अपने मतलब के कॉरपोरेट घरानों की सहूलियत के मुताबिक मंत्रियों को विभाग दिलवाते हैं और बदले में भारी-भरकम दलाली खाते हैं।

सबूत कहते हैं कि दलालीगिरी का खेल ये लोग बहुत पहले से करते आ रहे हैं पर इनका भांडा फूटा ए राजा को संचार मंत्री बनवाने के बाद। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह नहीं चाहते थे कि आरोपों से घिरे ए राजा को

संचार मंत्री बनाया जाय पर नीरा राडिया के घोर षड्यंत्र ने कांग्रेस के पावर कॉरिडोर में ऐसी जबरदस्त घेराबंदी की कि प्रधानमंत्री को बेबस होकर ए राजा को संचारमंत्री बनाना पड़ा।

पत्रकार नीरा राडिया की चारों कंपनियों में तमाम रिटायर्ड अधिकारी नौकरशाहों की भरमार है। ये वे अधिकारी हैं, जिन्होंने विभिन्न मंत्रालयों में ऊँचे पदों पर काम किया है और जिन्हें मंत्रालयों के अंदरूनी कामकाज की बखूबी जानकारी है।

पत्रकारों का घोटालाराज

☞ दिल्ली के सरकारी आवासों पर पत्रकारों का कब्जा, सर्वोच्च न्यायालय ने जमकर लगायी है फटकार।

☞ मध्यप्रदेश में २१० पत्रकारों का सरकारी बंगलों पर अवैध कब्जा है। पत्रकारों ने सरकार को किराये की १४ करोड़ रुपये की लगायी है चपत।

☞ लखनऊ में ५३ पत्रकारों को राज्य सम्पत्ति विभाग ने कब्जा किये हुए सरकारी मकान खाली करने हेतु नोटिस जारी किया है।

✻ प्रभु चावला रिलायंस के एक मामले में सर्वोच्च न्यायालय में फैसला फिक्स कराते हुए पकड़े गये। उनके बेटे आलोक चावला, 'अमर उजाला' के बरेली संस्करण में घोटाला करते हुए पकड़े गये। दैनिक जागरण ग्रुप व दैनिक हिन्दुस्तान ने अपने-अपने एक ही रेजिस्ट्रेशन नम्बर पर कई जगहों पर गलत ढंग से स्थानीय संस्करण प्रकाशित करके दोनों ने सरकार को लगभग ४०० करोड़ का नुकसान पहुँचाया। जिस पर मुकदमा भी चल रहा है।

भारत को ईसाई राष्ट्र बनाने में मीडिया की अहम भूमिका

जिस दिन दामिनी के बलात्कार की घटना मीडिया में बड़ी शुर्खियों में आई। मुझे संदेह हो गया, सोचा कि आज ऐसी घटना इस तरह क्यों ? इसका जवाब तब मिला जब दूसरे दिन इंडिया गेट पर हजारों लोग आंदोलन करने लग गये।

पूरे भारत में अमेरिका के हजारों NGO व संगठन काम करते हैं। वही सब इंडिया गेट की सड़कों पर हजारों नवयुवक, नवयुवतियाँ भारतीय संस्कृति छोड़कर, जिंस स्कर्ट पहने हुए बलात्कार के विरुद्ध आंदोलन कर रहे थे। मानो अमेरिकी संस्कृति में ही रम गये हों। बड़ा भारी पैसा अमेरिका, यूरोप की कंपनियों का भारत में आता है। उससे संगठन चला रहे हैं, मानो बहुत बड़ी क्रांति पैदा हो रही है। यह सब वही लोग करवा रहे हैं। इसकी मैं खुली चुनौती देता हूँ। वह समाचार भी पैसा देकर छपवाया गया था।

तमिलनाडु में एक आण्विक ऊर्जा का यंत्र बनाया गया था, उसको छः महीने तक चलने नहीं दिया क्यों ? अमेरिकी क्लिंटन के १३०० संगठन भारत के भीतर चलते हैं, उनके पीछे ये चर्च वाले मिलकर वहाँ रोज आंदोलन करने जाते थे। वहाँ की सरकार ने उनके ऊपर रोक लगाई, गिरफ्तार किया। आंदोलन हो गया बंद और ऊर्जा का यंत्र चालू हो गया। ऐसे ही नेपाल में अमेरिका के १८ हजार संगठन धर्मान्तरण के लिए काम करते हैं।

सन् २००७ में सोनिया ने कहा, ''मैं देखती हूँ इस देश के भीतर संतों के प्रति लोगों की श्रद्धा किस तरह बनी रहती ? मैं उसको नष्ट करके रहूँगी। मैं सबके ऊपर आपराधिक मामले लगवा दूँगी।'' ये प्रक्रिया चल रही है।

जब तक ये सेक्युलरवादी लोग इस देश के भीतर राज्य करेंगे तब तक संस्कृति को ऊपर उठाने की जो हमारी भावना है, पूरी नहीं हो सकती। इस देश के भीतर हिन्दुत्व की सरकार आये और संस्कृति के आधार पर देश का विकास हो।

जनता की आवाज

☞ मुझे बताइए, भारत का मीडिया इतना नकारात्मक क्यों है ? **– अब्दुल कलाम**

☞ आज की पत्रकारिता वेश्यावृत्ति में बदल गयी है ।

– गजेंद्र नारायण रे (भूतपूर्व अध्यक्ष – भारतीय प्रेस परिषद)

☞ पत्रकारों (reporters) के सिवाय मैं सबके लिये समानता में विश्वास रखता हूँ ! **– महात्मा गाँधी**

☞ समाचार-पत्रों के लेखक व सम्पादक कुत्तों जैसे होते हैं। जब भी कोई चीज हिलती-डुलती है तो वे भौंकना आरम्भ कर देते हैं।

– आर्थर शोपेनहावर (जर्मन दार्शनिक)

☞ ये भ्रष्ट, लिच्चड़ व निकम्मे मीडियावाले मुझे अपना काम करने नहीं देते।

– बाबा रामदेव

☞ मीडिया जनविरोधी, आपराधिक वृत्तियों को बढ़ावा देनेवाला, लोगों को बाँटनेवाला है। **– मार्कण्डेय काटजू (अध्यक्ष, भारतीय प्रेस परिषद)**

☞ मीडियावाले इतनी चालाकी, चतुराई एवं कुशलता के साथ दायें व बायें से हमारा ऐसे प्रयोग करते हैं कि शब्दों व वाक्यांशों के हेर-फेर में सच्चाई ही खो जाती है। **– जूल्स कार्लाइल (कैनेडा के लेखक एवं हास्यकार)**

☞ मैं न तो एक भी समाचार पत्र लेता हूँ और न ही महीने में एक भी समाचार-पत्र पढ़ता हूँ। इससे मैं स्वयं को अनंत गुना प्रसन्न महसूस करता हूँ।

– थॉमस जेफर्सन (अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति)

☞ भारतीय मीडिया वही दिखाता है जो वह स्वयं देखना चाहाता है।

– किरन बेदी

☞ मुझे लाख बंदूकों (bayonets) से ज्यादा तीन अखबारों से डर लगता है ।

– नेपोलियन बोनापार्ट

मीडिया का देशद्रोह व अपराध

घटना २६/११ मुंबई के ऑबराय होटल में घुसे आतंकवादियों को मार गिराने में अपने सैनिकों को बहुत समय क्यों लगा ? क्योंकि मीडिया की लाइव कवरेज से अंदर घुसे आतंकवादियों को उनके पाकिस्तानी आकाओं द्वारा अपने सैनिकों की स्थिति का विवरण बताया जा रहा था। जब अधिकारिक तौर पर जबरदस्ती लाइव कवरेज बंद कराया गया, तब अपने सैनिक तुंरत आतंकवादियों पर हावी हो गये और मार गिराया। मीडिया का यह कारनामा कितना बड़ा देशद्रोह व अपराध घोषित करता है!

मीडिया का हिन्दुत्व विरोधी दोगली चाल

- फ्रैंकोईस गौटियर(फ्रांसीसी लेखक व पत्रकार)

अधिकतर भारतीय पत्रकार सभी धर्मगुरुओं पर भगवान (God-men) की छाप क्यों लगाते है ? जो कि एक नकारात्मक और व्यंग्यात्मक शब्द है । यह बड़ी ही विचित्र बात नहीं कि भारतीय पत्रकार ईसाई आर्चबिशप या पादरियों को जिसे वे कभी भी 'भगवान' नहीं बल्कि 'होली फादर' कहकर बुलाते हैं और उसी प्रकार की आक्रामकता क्यों नहीं दिखाते ? वे भारतीय धर्मगुरुओं की अद्‌भुत व चमत्कारी शक्तियों पर भी प्रश्न उठाते हैं । लेकिन क्या यह सोचना जैसा कि ईसाई लोग सोचते हैं कम विवेकयुक्त व तर्कसंगत नहीं है कि ईसामसीह ने ब्रेड बढ़ाकर कई गुना कर दी थी या फिर मुर्दे को जीवित कर दिया था ?

दूसरे धर्म अपने नाम व स्वार्थ की सुरक्षा का प्रयत्न करते हैं। जबकि विश्व हिंदू परिषद (VHP) दूसरे धर्म के लोगों को अपने धर्म में मिलाने के लिए कभी भी धर्मांतरण का प्रयत्न नहीं करता । फिर भी भारतीय मीडिया द्वारा उनको ईसाई पादरियों या मुस्लिम मुल्लाओं के मुकाबले में कहीं अधिक प्रहारों का निशाना बनाया जाता है ।

संवेदनहीन मीडिया !

(जनता बाढ़ से त्रस्त ! मीडिया अपने में मस्त !!)

उत्तराखंड में बाढ़ की विभीषिका के दौरान जिस वक्त सबसे ज्यादा आवश्यकता पीड़ितों के जान बचाने की थी, उस वक्त बहुत सारे टीवी रिपोर्टर अपने कैमरामैन के साथ उन हेलीकॉप्टरों से जा पहुँचे, जो पीड़ितों की मदद के लिए आये थे। हेलीकॉप्टर बहुत कम थे और पीड़ित बहुत ज्यादा। हेलीकॉप्टर की एक-एक सीट बेशक कीमती थी इतनी, जितना कि मानव-जीवन। मानव जीवन से ज्यादा तरजीह मीडिया रिपोर्टिंग को नहीं दी जा सकती। लेकिन मीडियावालों ने मानव-जीवन से ज्यादा तरजीह मीडिया रिर्पोटिंग को दी, न कि- बिलखते चिल्लाते असहाय लोगों को।

मीलों पैदल चलकर आ रहे और दर्द से कराहते बुजुर्ग हों या रोती-बिलखती महिलाएँ, यहाँ तक कि मासूम बच्चे भी सभी के सामने रिपोर्टर का माइक अचानक प्रलय की तरह प्रकट हो जाता था। जान के लाले पड़े थे और रिपोर्टर माइक लेकर पीड़ितों के सामने सवालों की झड़ी लगा रहे थे।

न्यूज एक्सप्रेस चैनल का एक संवाददाता नारायण वरगाही ने हद कर दी, वह एक बाढ़ पीड़ित ग्रामीण के कंधे पर ही जा चढ़ा और बाढ़ में डूबे गाँव का आँखों देखा हाल बयान करने लगा।

संदर्भ : मीड़िया का अंडरवर्ल्ड (लेखक-दिलीप मंडल), पेड़ न्यूज (लेखक-संजीव पांडेय), मीड़िया का बदलता चरित्र (लेखक-हिमांशु शेखर), पांचजन्य -९जून २०१३
www.thehindu.com/news/national/mediaoffering-opium-to-masses-katjuarticle2823618.ece
http://khabar.ibnlive.in.com/news/58387/3/21
www.janatantra.com/news/2010/11/30/biography-of-niira-radia/
www.chauthiduniya.com/2010/05/bade-patrakar-bade-dalal.html
www.khabarwala.com/media-news/print/987-journalist-arrested-accusHaed-of-running-sex-racket
http://www.swargvibha.in/forums/viewtopic.php?t=19925&p=25081
http://hindudigest.blogspot.in/2011/03/anti-hindu-media-in-mirror-of-family.html
http://www.francoisgautier.com/en/the-indian-media-and-gurus

मीडिया के कालेकारनामें व संस्कृति पर प्रहार

अश्लीलता को बढ़ावा

ईसाइयत को बढ़ावा-खतरे में भारत

साधू-संतों पर झूठे आरोप

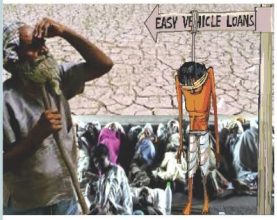

२.५ लाख किसानों की आत्महत्या को छुपाया

टूटता मन्दिर, कटती गाय को नजरअंदाज

पत्रकारों द्वारा सेक्स रैकेट चलाये जाना

स्रोत : http://jpsingh1975.blogspot.in/2011_11_01_archive.html

जागो भारतवासी जागो !
राष्ट्रद्रोही मीडिया को त्यागो !

- मीडिया से जनसरोकार गायब, खबरें भी उत्पाद बन गयीं ।
- मीडिया ने भुगतानशुदा खबरों (पेड न्यूज) द्वारा किया भारत के साथ धोखा !
- सरकारी सम्पत्ति पर पत्रकारों का कब्जा । देश के करोड़ों रुपये किये हजम । सुप्रीमकोर्ट की फटकार।
- पत्रकारों द्वारा हिन्दुस्तान में जगह-जगह सेक्स रैकेट चलाये जाते हैं ।
- मीडिया का खास वर्ग सनातन संस्कृति व साधु-संतों की निंदा करना अपना धर्म व कर्त्तव्य मानता है ।
- कम्युनिस्ट, चर्चपरस्त, मुस्लिमपरस्त लोगों की आपसी रिश्तेदारी, सत्ता व मीडिया पर पकड़ और इनके द्वारा गैंग बना लिया जाना क्या हिन्दुस्तान के लिए बहुत बड़ा खतरा नहीं है ?
- भारत को तोड़ने तथा फिर से गुलाम बनाने का कैसे रचा जा रहा है षड्यंत्र..... ???
- १५ सालों में २.५ लाख किसानों की आत्महत्या की खबर को किसने छुपाया ?
- आज मीडिया की प्राथमिकता समाजसेवा के बजाय धनोपार्जन बन गया है।
- मीडिया की गलती से आप की जान भी जा सकती है। कारगिल युद्ध में ऐसा ही हुआ था ।

सर्व सहमति देश की जनता की ... यह पुस्तक जनहित में जारी है। कोई भी छपवाकर बाँट सकता है। यह देश का सेवाकार्य कोई भी कर सकता है, पक्का देशभक्त देशहित में जरूर करेगा। हमें यह विश्वास है।

All legal proceedings shall be subject to the jurisdiction of the courts in New Delhi.
The subject matter of this book is not be ownership right of the publiser or the writer.

संस्कृति रक्षक संघ
आध्यात्मिक भारत निर्माण
मुख्यालय : शास्त्री नगर, दिल्ली-110031. फोन : 011-32674126.
info@srsinternational.org www.srsinternational.org